आज समाज 27/9/26

वर्कशॉप में 180 से ज्यादा विद्यार्थियों ने सीखे एआई प्रयोग के नए तरीके

आज समाज नेटवर्क

चंडीगढ़। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अब सिर्फ तकनीकी क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि रिसर्च, डेटा एनालिसिस, कंटेंट क्रिएशन और शिक्षा के क्षेत्र में भी इसकी भूमिका तेजी से बढ़ रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के पीजी डिपार्टमेंट ऑफ इकोनॉमिक्स के प्लानिंग फोरम की ओर से एआई टूल्स फॉर रिसर्चर्स विषय पर वर्कशॉप आयोजित की गई। वर्कशॉप में 180 से अधिक विद्यार्थियों, रिसर्च स्कॉलर्स और शिक्षकों ने हिस्सा लिया। वर्कशॉप का उद्देश्य प्रतिभागियों को रिसर्च और अकादमिक गतिविधियों में एआई के व्यावहारिक इस्तेमाल से परिचित कराना था।

कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि मौजूदा अकादमिक वातावरण में एआई की उपयोगिता लगातार बढ़ रही है। ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों और रिसर्च स्कॉलर्स को नई तकनीक समझने और उसे अपने अकादमिक कार्य में प्रभावी ढंग से इस्तेमाल करने का अवसर देते हैं। वर्कशॉप की कन्वीनर डॉ. रुचि शर्मा और डॉ. अरवुडा मेहता रहे। रिसोर्स पर्सन रिसर्च शिक्षा के फाउंडर एवं चीफ कंसल्टेंट डॉ. अजय कुमार चौहान ने एआई के स्वरूप, संभावनाओं और रिसर्च में इसके इस्तेमाल पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने विभिन्न एआई टूल्स की मदद से रिसर्च, डेटा एनालिसिस, एजुकेशन, क्रिएटिव वर्क और कंटेंट तैयार करने के तरीके बताए। प्रतिभागियों को गूगल फ्लो, सुनो एआई, वंडरशेयर, एनबीएन, एविडांको, स्टॉर्म जीन और जूलियस जैसे टूल्स से परिचित कराया गया। वर्कशॉप का खास आकर्षण एआई टूल्स का लाइव डेमोंस्ट्रेशन रहा। डॉ. चौहान ने एआई की मदद से तैयार किए गए प्रमोशनल वीडियो दिखाकर समझाया कि किस तरह किसी आइडिया को डिजिटल कंटेंट में बदला जा सकता है। अंत में एआई के बढ़ते दायरे और भविष्य में रिसर्च व प्रोफेशनल कार्यों में इसके संभावित इस्तेमाल पर चर्चा की गई। वर्कशॉप ने विभिन्न विषयों के विद्यार्थियों को एक मंच पर लाकर एआई और अकादमिक रिसर्च के बीच बढ़ते संबंधों को समझने का अवसर दिया।

वर्कशॉप में 180 से ज्यादा विद्यार्थियों ने सीखे एआई प्रयोग के नए तरीके

आज समाज नेटवर्क

चंडीगढ़। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अब सिर्फ तकनीकी क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि रिसर्च, डेटा एनालिसिस, कंटेंट क्रिएशन और शिक्षा के क्षेत्र में भी इसकी भूमिका तेजी से बढ़ रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के पीजी डिपार्टमेंट ऑफ इकोनॉमिक्स के प्लानिंग फोरम की ओर से एआई टूल्स फॉर रिसर्चर्स विषय पर वर्कशॉप आयोजित की गई। वर्कशॉप में 180 से अधिक विद्यार्थियों, रिसर्च स्कॉलर्स और शिक्षकों ने हिस्सा लिया। वर्कशॉप का उद्देश्य प्रतिभागियों को रिसर्च और अकादमिक गतिविधियों में एआई के व्यावहारिक इस्तेमाल से परिचित कराना था।

कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि मौजूदा अकादमिक वातावरण में एआई की उपयोगिता लगातार बढ़ रही है। ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों और रिसर्च स्कॉलर्स को नई तकनीक समझने और उसे अपने अकादमिक कार्य में प्रभावी ढंग से इस्तेमाल करने का अवसर देते हैं। वर्कशॉप की कन्वीनर डॉ. रुचि शर्मा और डॉ. अरवुडा मेहता रहे। रिसोर्स पर्सन रिसर्च शिक्षा के फाउंडर एवं चीफ कंसल्टेंट डॉ. अजय कुमार चौहान ने एआई के स्वरूप, संभावनाओं और रिसर्च में इसके इस्तेमाल पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने विभिन्न एआई टूल्स की मदद से रिसर्च, डेटा एनालिसिस, एजुकेशन, क्रिएटिव वर्क और कंटेंट तैयार करने के तरीके बताए। प्रतिभागियों को गूगल फ्लो, सुनो एआई, वंडरशेयर, एनबीएन, एविडांको, स्टॉर्म जीन और जूलियस जैसे टूल्स से परिचित कराया गया। वर्कशॉप का खास आकर्षण एआई टूल्स का लाइव डेमोंस्ट्रेशन रहा। डॉ. चौहान ने एआई की मदद से तैयार किए गए प्रमोशनल वीडियो दिखाकर समझाया कि किस तरह किसी आइडिया को डिजिटल कंटेंट में बदला जा सकता है। अंत में एआई के बढ़ते दायरे और भविष्य में रिसर्च व प्रोफेशनल कार्यों में इसके संभावित इस्तेमाल पर चर्चा की गई। वर्कशॉप ने विभिन्न विषयों के विद्यार्थियों को एक मंच पर लाकर एआई और अकादमिक रिसर्च के बीच बढ़ते संबंधों को समझने का अवसर दिया।

एआई टूल्स से रिसर्च को मिलेगी नई रफ्तार, वर्कशॉप में विद्यार्थियों ने सीखे इस्तेमाल के तरीके

चंडीगढ़, 26 सितम्बर (विशेष संवाददाता): आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) अब सिर्फ तकनीकी क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि रिसर्च, डेटा एनालिसिस, कंटेंट क्रिएशन और शिक्षा के क्षेत्र में भी इसकी भूमिका तेजी से बढ़ रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के पीजी डिपार्टमेंट ऑफ इकोनॉमिक्स के प्लानिंग फोरम की ओर से 'एआई टूल्स फॉर रिसर्चर्स' विषय पर वर्कशॉप आयोजित की गई। वर्कशॉप में 180 से अधिक विद्यार्थियों, रिसर्च स्कॉलर्स और शिक्षकों ने हिस्सा लिया। वर्कशॉप का उद्देश्य प्रतिभागियों को रिसर्च और अकादमिक गतिविधियों में एआई के व्यावहारिक इस्तेमाल से परिचित कराना था। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि मौजूदा अकादमिक वातावरण में एआई की उपयोगिता लगातार बढ़ रही है। ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों और रिसर्च स्कॉलर्स को नई तकनीक समझने और उसे अपने अकादमिक कार्य में प्रभावी ढंग से इस्तेमाल करने का अवसर देते हैं। वर्कशॉप की कन्वीनर डॉ. रुचि शर्मा और डॉ. अरवुडा मेहता रहे। रिसोर्स पर्सन रिसर्च शिक्षा के फाउंडर एवं चीफ कंसल्टेंट डॉ. अजय कुमार चौहान ने एआई के स्वरूप, संभावनाओं और रिसर्च में इसके इस्तेमाल पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने विभिन्न एआई टूल्स की मदद से रिसर्च, डेटा एनालिसिस, एजुकेशन, क्रिएटिव वर्क और कंटेंट तैयार करने के तरीके बताए। प्रतिभागियों को गूगल फ्लो, सुनो एआई, वंडरशेयर, एनबीएन, एविडांको, स्टॉर्म जीन और जूलियस जैसे टूल्स से परिचित कराया गया। वर्कशॉप का खास आकर्षण एआई टूल्स का लाइव डेमोंस्ट्रेशन रहा। डॉ. चौहान ने एआई की मदद से तैयार किए गए प्रमोशनल वीडियो दिखाकर समझाया कि किस तरह किसी आइडिया को डिजिटल कंटेंट में बदला जा सकता है। इससे विद्यार्थियों को एआई की रचनात्मक और व्यावहारिक क्षमताओं को करीब से समझने का अवसर मिला। अंत में एआई के बढ़ते दायरे और भविष्य में रिसर्च व प्रोफेशनल कार्यों में इसके संभावित इस्तेमाल पर चर्चा की गई। वर्कशॉप ने विभिन्न विषयों के विद्यार्थियों को एक मंच पर लाकर एआई और अकादमिक रिसर्च के बीच बढ़ते संबंधों को समझने का अवसर दिया।

अजीत समाचार
27-Sep-2026
Page: 5
उत्तर भारत का सम्पूर्ण अख़बार
https://www.ajitsamachar.com/20260927/20/5/1_1.cms

अमर उजाला 27/9/26

एआई टूल्स से रिसर्च को मिलेगी नई रफ्तार

चंडीगढ़। सेक्टर-32 के एसडी कॉलेज में एआई टूल्स फॉर रिसर्चर्स विषय पर वर्कशॉप हुई। पीजी डिपार्टमेंट ऑफ इकोनॉमिक्स के प्लानिंग फोरम की ओर से आयोजित कार्यक्रम में 180 से अधिक विद्यार्थी और रिसर्च स्कॉलर्स शामिल हुए। डॉ. अजय कुमार चौहान ने रिसर्च और कंटेंट तैयार करने में एआई के उपयोग की जानकारी दी। विभिन्न एआई टूल्स का लाइव डेमोंस्ट्रेशन भी हुआ। ब्यूरो

अर्थ प्रकाश २८/९/२८

एआई टूल्स से रिसर्च को मिलेगी नई रफ्तार, वर्कशॉप में विद्यार्थियों ने सीखे इस्तेमाल के तरीके

एसडी कॉलेज में 'एआई टूल्स फॉर रिसर्चर्स' पर वर्कशॉप आयोजित, 180 से ज्यादा विद्यार्थियों ने सीखे एआई के नए प्रयोग

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) अब सिर्फ तकनीकी क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि रिसर्च, डेटा एनालिसिस, कंटेंट क्रिएशन और शिक्षा के क्षेत्र में भी इसकी भूमिका तेजी से बढ़ रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के पीजी डिपार्टमेंट ऑफ इकोनॉमिक्स के प्लानिंग फोरम की ओर से 'एआई टूल्स फॉर रिसर्चर्स' विषय पर वर्कशॉप आयोजित की गई। वर्कशॉप में 180 से अधिक विद्यार्थियों, रिसर्च स्कॉलर्स और शिक्षकों ने हिस्सा लिया। वर्कशॉप का

उद्देश्य प्रतिभागियों को रिसर्च और अकादमिक गतिविधियों में एआई के व्यावहारिक इस्तेमाल से परिचित कराना था।

कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि मौजूदा अकादमिक वातावरण में एआई की उपयोगिता लगातार बढ़ रही है। ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों और रिसर्च स्कॉलर्स को नई तकनीक समझने और उसे अपने अकादमिक कार्य में प्रभावी ढंग से इस्तेमाल करने का अवसर देते हैं। वर्कशॉप की कन्वीनर डॉ. रुचि शर्मा और डॉ. अरवुडा मेहता रहे। रिसोर्स पर्सन रिसर्च शिक्षा के फाउंडर एवं चीफ कंसल्टेंट डॉ. अजय कुमार चौहान ने एआई के स्वरूप, संभावनाओं और रिसर्च में इसके इस्तेमाल पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने विभिन्न एआई टूल्स की मदद से रिसर्च, डेटा एनालिसिस, एजुकेशन, क्रिएटिव वर्क और कंटेंट तैयार करने के तरीके बताए। प्रतिभागियों को गूगल फ्लो, सुनो एआई, वंडरशेयर, एनबीएन, एविडांको, स्टॉर्म जीन और जूलियस जैसे टूल्स से परिचित कराया गया।

वर्कशॉप का खास आकर्षण एआई टूल्स का लाइव डेमोंस्ट्रेशन रहा। डॉ. चौहान ने एआई की मदद से तैयार किए गए प्रमोशनल वीडियो दिखाकर समझाया कि किस तरह किसी आइडिया को डिजिटल कंटेंट में बदला जा सकता है। इससे विद्यार्थियों को एआई की रचनात्मक और व्यावहारिक क्षमताओं को करीब से समझने का अवसर मिला। अंत में एआई के बढ़ते दायरे और भविष्य में रिसर्च व प्रोफेशनल कार्यों में इसके संभावित इस्तेमाल पर चर्चा की गई।

एआई टूल्स से रिसर्च को मिलेगी नई रफ्तार

वैभव न्यूज ■ चंडीगढ़

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) अब सिर्फ तकनीकी क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि रिसर्च, डेटा एनालिसिस, कंटेंट क्रिएशन और शिक्षा के क्षेत्र में भी इसकी भूमिका तेजी से बढ़ रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के पीजी डिपार्टमेंट ऑफ इकोनॉमिक्स के प्लानिंग फोरम की ओर से 'एआई टूल्स फॉर रिसर्चर्स' विषय पर वर्कशॉप आयोजित की गई। वर्कशॉप में 180 से अधिक विद्यार्थियों, रिसर्च स्कॉलर्स और शिक्षकों ने हिस्सा लिया। वर्कशॉप का उद्देश्य प्रतिभागियों को रिसर्च और अकादमिक गतिविधियों में एआई के व्यावहारिक इस्तेमाल से परिचित कराना था। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि मौजूदा अकादमिक वातावरण में एआई की उपयोगिता लगातार बढ़ रही है। ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों और रिसर्च स्कॉलर्स को नई तकनीक समझने और उसे अपने अकादमिक कार्य में प्रभावी ढंग से इस्तेमाल करने का अवसर देते हैं।

एआई टूल्स से रिसर्च को मिलेगी नई रफ्तार, वर्कशॉप में विद्यार्थियों ने सीखे इस्तेमाल के तरीके

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) अब सिर्फ तकनीकी क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि रिसर्च, डेटा एनालिसिस, कंटेंट क्रिएशन और शिक्षा के क्षेत्र में भी इसकी भूमिका तेजी से बढ़ रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के पीजी डिपार्टमेंट ऑफ इकोनॉमिक्स के प्लानिंग फोरम की ओर से एआई टूल्स फॉर रिसर्चर्स विषय पर वर्कशॉप आयोजित की गई। वर्कशॉप में 180 से अधिक विद्यार्थियों, रिसर्च स्कॉलर्स और शिक्षकों ने हिस्सा लिया। वर्कशॉप का उद्देश्य प्रतिभागियों को रिसर्च और अकादमिक गतिविधियों में एआई के व्यावहारिक इस्तेमाल से परिचित कराना था।

कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि मौजूदा अकादमिक वातावरण में एआई की उपयोगिता लगातार बढ़ रही है। ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों और रिसर्च स्कॉलर्स को नई तकनीक समझने और उसे अपने अकादमिक कार्य में प्रभावी ढंग से इस्तेमाल करने का अवसर देते हैं। वर्कशॉप की कन्वीनर डॉ. रुचि शर्मा और डॉ. अरवुडा मेहता रहे। रिसोर्स पर्सन रिसर्च शिक्षा के फाउंडर एवं चीफ कंसल्टेंट डॉ. अजय कुमार चौहान ने एआई के स्वरूप, संभावनाओं और रिसर्च में इसके इस्तेमाल पर विस्तार से जानकारी दी।

उन्होंने विभिन्न एआई टूल्स की मदद से रिसर्च, डेटा एनालिसिस, एजुकेशन, क्रिएटिव वर्क और कंटेंट तैयार करने के तरीके बताए। प्रतिभागियों को गूगल फ्लो, सुनो एआई, वंडरशेयर, एनबीएन, एविडांको, स्टॉर्म जीन और जूलियस जैसे टूल्स से परिचित कराया गया।

वर्कशॉप का खास आकर्षण एआई टूल्स का लाइव डेमोंस्ट्रेशन रहा। डॉ. चौहान ने एआई की मदद से तैयार किए गए प्रमोशनल वीडियो दिखाकर समझाया कि किस तरह किसी आइडिया को डिजिटल कंटेंट में बदला जा सकता है। इससे विद्यार्थियों को एआई की रचनात्मक और व्यावहारिक क्षमताओं को करीब से समझने का अवसर मिला। अंत में एआई के बढ़ते दायरे और भविष्य में रिसर्च व प्रोफेशनल कार्यों में इसके संभावित इस्तेमाल पर चर्चा की गई। वर्कशॉप ने विभिन्न विषयों के विद्यार्थियों को एक मंच पर लाकर एआई और अकादमिक रिसर्च के बीच बढ़ते संबंधों को समझने का अवसर दिया।

एआई टूल्स से रिसर्च को मिलेगी नई रफ्तार, वर्कशॉप में विद्यार्थियों ने सीखे इस्तेमाल के तरीके

एसडी कॉलेज में 'एआई टूल्स फॉर रिसर्चर्स' पर वर्कशॉप आयोजित, 180 से ज्यादा विद्यार्थियों ने सीखे एआई के नए प्रयोग

देश प्यार चंडीगढ़। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) अब सिर्फ तकनीकी क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि रिसर्च, डेटा एनालिसिस, कंटेंट क्रिएशन और शिक्षा के क्षेत्र में भी इसकी भूमिका तेजी से बढ़ रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के पीजी डिपार्टमेंट ऑफ इकोनॉमिक्स के प्लानिंग फोरम की ओर से 'एआई टूल्स फॉर रिसर्चर्स' विषय पर वर्कशॉप आयोजित की गई। वर्कशॉप में 180 से अधिक विद्यार्थियों, रिसर्च स्कॉलर्स और शिक्षकों ने हिस्सा लिया। वर्कशॉप का उद्देश्य प्रतिभागियों को रिसर्च और अकादमिक गतिविधियों में एआई के व्यावहारिक इस्तेमाल से परिचित कराना था।

कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि मौजूदा अकादमिक वातावरण में एआई की उपयोगिता लगातार बढ़ रही है। ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों और रिसर्च स्कॉलर्स को नई तकनीक समझने और उसे अपने अकादमिक कार्य में प्रभावी ढंग से इस्तेमाल करने का अवसर देते हैं। वर्कशॉप की कन्वीनर डॉ. रुचि शर्मा और डॉ. अरवुडा मेहता रहे। रिसोर्स पर्सन रिसर्च शिक्षा के फाउंडर एवं चीफ कंसल्टेंट डॉ. अजय कुमार चौहान ने एआई के स्वरूप, संभावनाओं और रिसर्च में इसके इस्तेमाल पर विस्तार से जानकारी दी।

उन्होंने विभिन्न एआई टूल्स की मदद से रिसर्च, डेटा एनालिसिस, एजुकेशन, क्रिएटिव वर्क और कंटेंट तैयार करने के तरीके बताए। प्रतिभागियों को गूगल फ्लो, सुनो एआई, वंडरशेयर, एनबीएन, एविडांको, स्टॉर्म जीन और जूलियस जैसे टूल्स से परिचित कराया गया।

वर्कशॉप का खास आकर्षण एआई टूल्स का लाइव डेमोंस्ट्रेशन रहा। डॉ. चौहान ने एआई की मदद से तैयार किए गए प्रमोशनल वीडियो दिखाकर समझाया कि किस तरह किसी आइडिया को डिजिटल कंटेंट में बदला जा सकता है। इससे विद्यार्थियों को एआई की रचनात्मक और व्यावहारिक क्षमताओं को करीब से समझने का अवसर मिला। अंत में एआई के बढ़ते दायरे और भविष्य में रिसर्च व प्रोफेशनल कार्यों में इसके संभावित इस्तेमाल पर चर्चा की गई। वर्कशॉप ने विभिन्न विषयों के विद्यार्थियों को एक मंच पर लाकर एआई और अकादमिक रिसर्च के बीच बढ़ते संबंधों को समझने का अवसर दिया।

एआई टूल्स से रिसर्च को मिलेगी नई रफ्तार, वर्कशॉप में विद्यार्थियों ने सीखे इस्तेमाल के तरीके

चंडीगढ़ (हिमप्रभा ब्यूरो)। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) अब सिर्फ तकनीकी क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि रिसर्च, डेटा एनालिसिस, कंटेंट क्रिएशन और शिक्षा के क्षेत्र में भी इसकी भूमिका तेजी से बढ़ रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के पीजी डिपार्टमेंट ऑफ इकोनॉमिक्स के प्लानिंग फोरम की ओर से 'एआई टूल्स फॉर रिसर्चर्स' विषय पर वर्कशॉप आयोजित की गई। वर्कशॉप में 180 से अधिक विद्यार्थियों, रिसर्च स्कॉलर्स और शिक्षकों ने हिस्सा लिया। वर्कशॉप का उद्देश्य प्रतिभागियों को रिसर्च और अकादमिक गतिविधियों में एआई के व्यावहारिक इस्तेमाल से परिचित कराना था।

कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि मौजूदा अकादमिक वातावरण में एआई की उपयोगिता लगातार बढ़ रही है। ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों और रिसर्च स्कॉलर्स को नई तकनीक समझने और उसे अपने अकादमिक कार्य में प्रभावी ढंग से इस्तेमाल करने का अवसर देते हैं। वर्कशॉप की कन्वीनर डॉ. रुचि शर्मा और डॉ. अरवुडा मेहता रहे।

रिसोर्स पर्सन रिसर्च शिक्षा के फाउंडर एवं चीफ कंसल्टेंट डॉ. अजय कुमार चौहान ने एआई के स्वरूप, संभावनाओं और रिसर्च में इसके इस्तेमाल पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने विभिन्न एआई टूल्स की मदद से रिसर्च, डेटा एनालिसिस, एजुकेशन, क्रिएटिव वर्क और कंटेंट तैयार करने के तरीके बताए। प्रतिभागियों को गूगल फ्लो, सुनो एआई, वंडरशेयर, एनबीएन, एविडांको, स्टॉर्म जीन और जूलियस जैसे टूल्स से परिचित कराया गया। वर्कशॉप का खास आकर्षण एआई टूल्स का लाइव डेमोंस्ट्रेशन रहा। डॉ. चौहान ने एआई की मदद से तैयार किए गए प्रमोशनल वीडियो दिखाकर समझाया कि किस तरह किसी आइडिया को डिजिटल कंटेंट में बदला जा सकता है। इससे विद्यार्थियों को एआई की रचनात्मक और व्यावहारिक क्षमताओं को करीब से समझने का अवसर मिला। अंत में एआई के बढ़ते दायरे और भविष्य में रिसर्च व प्रोफेशनल कार्यों में इसके संभावित इस्तेमाल पर चर्चा की गई। वर्कशॉप ने विभिन्न विषयों के विद्यार्थियों को एक मंच पर लाकर एआई और अकादमिक रिसर्च के बीच बढ़ते संबंधों को समझने का अवसर दिया।

एआई टूल्स से रिसर्च को मिलेगी नई रफ्तार
विद्यार्थियों ने सीखे इस्तेमाल के तरीके

जगमार्ग न्यूज

चंडीगढ़। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) अब सिर्फ तकनीकी क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि रिसर्च, डेटा एनालिसिस, कंटेंट क्रिएशन और शिक्षा के क्षेत्र में भी इसकी भूमिका तेजी से बढ़ रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के पीजी डिपार्टमेंट ऑफ इकोनॉमिक्स के प्लानिंग फोरम की ओर से 'एआई टूल्स फॉर रिसर्चर्स' विषय पर वर्कशॉप आयोजित की गई। वर्कशॉप में 180 से अधिक विद्यार्थियों, रिसर्च स्कॉलर्स और शिक्षकों ने हिस्सा लिया। वर्कशॉप का उद्देश्य प्रतिभागियों को रिसर्च और अकादमिक गतिविधियों में एआई के व्यावहारिक इस्तेमाल से परिचित कराना था।

कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि मौजूदा अकादमिक वातावरण में एआई की उपयोगिता लगातार बढ़ रही है। ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों और रिसर्च स्कॉलर्स को नई तकनीक समझने और उसे अपने अकादमिक कार्य में प्रभावी ढंग से इस्तेमाल करने का अवसर देते हैं। वर्कशॉप की कन्वीनर डॉ. रुचि शर्मा और डॉ. अरवुडा मेहता रहे। रिसोर्स

पर्सन रिसर्च शिक्षा के फाउंडर एवं चीफ कंसल्टेंट डॉ. अजय कुमार चौहान ने एआई के स्वरूप, संभावनाओं और रिसर्च में इसके इस्तेमाल पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने विभिन्न एआई टूल्स की मदद से रिसर्च, डेटा एनालिसिस, एजुकेशन, क्रिएटिव वर्क और कंटेंट तैयार करने के तरीके बताए। प्रतिभागियों को गूगल फ्लो, सुनो एआई, वंडरशेयर, एनबीएन, एविडांको, स्टॉर्म जीन और जूलियस जैसे टूल्स से परिचित कराया गया। वर्कशॉप का खास आकर्षण एआई टूल्स का लाइव डेमोंस्ट्रेशन रहा। डॉ. चौहान ने एआई की मदद से तैयार किए गए प्रमोशनल वीडियो दिखाकर समझाया कि किस तरह किसी आइडिया को डिजिटल कंटेंट में बदला जा सकता है। इससे विद्यार्थियों को एआई की रचनात्मक और व्यावहारिक क्षमताओं को करीब से समझने का अवसर मिला। अंत में एआई के बढ़ते दायरे और भविष्य में रिसर्च व प्रोफेशनल कार्यों में इसके संभावित इस्तेमाल पर चर्चा की गई।

एसडी कॉलेज में 'एआई टूल्स फॉर रिसर्चर्स' पर वर्कशॉप आयोजित, 180 से ज्यादा विद्यार्थियों ने सीखे एआई के नए प्रयोग

» **मदरलैंड संवाददाता**

चंडीगढ़। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) अब सिर्फ तकनीकी क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि रिसर्च, डेटा एनालिसिस, कंटेंट क्रिएशन और शिक्षा के क्षेत्र में भी इसकी भूमिका तेजी से बढ़ रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के पीजी डिपार्टमेंट ऑफ इकोनॉमिक्स के प्लानिंग फोरम की ओर से ह्यएआई टूल्स फॉर रिसर्चर्सह्ल विषय पर वर्कशॉप आयोजित की गई। वर्कशॉप में 180 से अधिक विद्यार्थियों, रिसर्च स्कॉलर्स और शिक्षकों ने हिस्सा लिया। वर्कशॉप का उद्देश्य प्रतिभागियों को रिसर्च और अकादमिक गतिविधियों में एआई के व्यावहारिक इस्तेमाल से परिचित कराना था।

कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि मौजूदा अकादमिक वातावरण में एआई की उपयोगिता लगातार बढ़ रही है। ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों और रिसर्च स्कॉलर्स को नई तकनीक समझने और उसे अपने अकादमिक कार्य में प्रभावी ढंग से इस्तेमाल करने का अवसर देते हैं। वर्कशॉप की कन्वीनर डॉ. रुचि शर्मा और डॉ. अरवुडा मेहता रहे। रिसोर्स पर्सन रिसर्च शिक्षा के फाउंडर एवं चीफ कंसल्टेंट डॉ. अजय कुमार चौहान ने एआई के स्वरूप, संभावनाओं और रिसर्च में इसके इस्तेमाल पर विस्तार से जानकारी दी।

उन्होंने विभिन्न एआई टूल्स की मदद से रिसर्च, डेटा एनालिसिस, एजुकेशन, क्रिएटिव वर्क और कंटेंट तैयार करने के तरीके बताए। प्रतिभागियों को गूगल फ्लो, सुनो एआई, वंडरशेयर, एनबीएन, एविडांको, स्टॉर्म जीन और जूलियस जैसे टूल्स से परिचित कराया गया।

वर्कशॉप का खास आकर्षण एआई टूल्स का लाइव डेमोंस्ट्रेशन रहा। डॉ. चौहान ने एआई की मदद से तैयार किए गए प्रमोशनल वीडियो दिखाकर समझाया कि किस तरह किसी आइडिया को डिजिटल कंटेंट में बदला जा सकता है। इससे विद्यार्थियों को एआई की रचनात्मक और व्यावहारिक क्षमताओं को करीब से समझने का अवसर मिला। अंत में एआई के बढ़ते दायरे और भविष्य में रिसर्च व प्रोफेशनल कार्यों में इसके संभावित इस्तेमाल पर चर्चा की गई। वर्कशॉप ने विभिन्न विषयों के विद्यार्थियों को एक मंच पर लाकर एआई और अकादमिक रिसर्च के बीच बढ़ते संबंधों को समझने का अवसर दिया।

पंजाब केसरी 26/9/26

ए.आई. टूल्स से रिसर्च को मिलेगी नई रफ्तार

चंडीगढ़, 25 सितम्बर (आशीष): आर्टिफिशियल इंटैलिजैंस अब सिर्फ तकनीकी क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि रिसर्च, डेटा एनालिसिस, कंटैंट क्रिएशन और शिक्षा के क्षेत्र में भी भूमिका तेजी से बढ़ रही है। इसे ध्यान में रखते हुए सैक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के पी.जी. डिपार्टमैंट ऑफ इकोनॉमिक्स के प्लानिंग फोरम ने ए.आई. टूल्स फॉर रिसर्चर्स विषय पर वर्कशॉप आयोजित की।

प्रिंसीपल डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि मौजूदा अकादमिक वातावरण में ए.आई. की उपयोगिता लगातार बढ़ रही है। ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों और रिसर्च स्कॉलर्स को नई तकनीक समझने और उसे अकादमिक कार्य में प्रभावी ढंग से इस्तेमाल करने का अवसर देते हैं।

एसडी कॉलेज में 'एआइ टूल्स फॉर रिसर्चर्स' पर वर्कशॉप आयोजित, 180 से ज्यादा विद्यार्थियों ने सीखे एआइ के नए प्रयोग

चंडीगढ़ (संवाददाता)। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस द्धएआईऋ अब सिर्फ तकनीकी क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि रिसर्च, डेटा एनालिसिस, कंटेंट क्रिएशन और शिक्षा के क्षेत्र में भी इसकी भूमिका तेजी से बढ़ रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कश्वलेज के पीजी डिपार्टमेंट अश्वफ इकोनश्वमिक्स के प्लानिंग फोरम की ओर से 'एआई टूल्स फश्वर रिसर्चर्स' विषय पर वर्कशश्वप आयोजित की गई। वर्कशश्वप में 180 से अधिक विद्यार्थियों, रिसर्च स्कश्वलर्स और शिक्षकों ने हिस्सा लिया। वर्कशश्वप का उद्देश्य प्रतिभागियों को रिसर्च और अकादमिक गतिविधियों में एआई के व्यावहारिक इस्तेमाल से परिचित कराना था।

कश्वलेज के प्रिंसिपल डश्व. अजय शर्मा ने कहा कि मौजूदा अकादमिक वातावरण में एआई की उपयोगिता लगातार बढ़ रही है। ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों और रिसर्च स्कश्वलर्स को नई तकनीक समझने और उसे अपने अकादमिक कार्य में प्रभावी ढंग से इस्तेमाल करने का अवसर देते हैं। वर्कशश्वप की कन्वीनर डश्व. रुचि शर्मा और डश्व. अरवुडा मेहता रहे। रिसोर्स पर्सन रिसर्च शिक्षा के फाउंडर एवं चीफ कंसल्टेंट डश्व. अजय कुमार चौहान ने एआई के स्वरूप, संभावनाओं और रिसर्च में इसके इस्तेमाल पर विस्तार से जानकारी दी।

उन्होंने विभिन्न एआई टूल्स की मदद से रिसर्च, डेटा एनालिसिस, एजुकेशन, क्रिएटिव वर्क और कंटेंट तैयार करने के तरीके बताए। प्रतिभागियों को गूगल फ्लो, सुनो एआई, वंडरशेयर, एनबीएन, एविडांको, स्टश्वर्म जीन और जूलियस जैसे टूल्स से परिचित कराया गया।

वर्कशश्वप का खास आकर्षण एआई टूल्स का लाइव डेमोंस्ट्रेशन रहा। डश्व. चौहान ने एआई की मदद से तैयार किए गए प्रमोशनल वीडियो दिखाकर समझाया कि किस तरह किसी आइडिया को डिजिटल कंटेंट में बदला जा सकता है। इससे विद्यार्थियों को एआई की रचनात्मक और व्यावहारिक क्षमताओं को करीब से समझने का अवसर मिला। अंत में एआई के बढ़ते दायरे और भविष्य में रिसर्च व प्रोफेशनल कार्यों में इसके संभावित इस्तेमाल पर चर्चा की गई। वर्कशश्वप ने विभिन्न विषयों के विद्यार्थियों को एक मंच पर लाकर एआई और अकादमिक रिसर्च के बीच बढ़ते संबंधों को समझने का अवसर दिया।

SD College students explore AI tools

THE SAVERA TIMES NEWS NETWORK

CHANDIGARH: Artificial Intelligence is increasingly becoming part of academic and research work, with students and researchers exploring its applications in areas ranging from data analysis to digital content creation.

Taking up this emerging trend, the Planning Forum of the P.G. Department of Economics at Goswami Ganesh Dutta Sanatan Dharma College organised a workshop on 'AI Tools for Researchers' at the college's Mini Auditorium on September 24.

More than 180 students, research scholars and faculty members from different academic streams, including B.A., M.A. Economics and M.Com., participated in the workshop.

The session introduced participants to emerging AI platforms and demonstrated their possible applications in academic, research and creative work.

College Principal Dr. Ajay Sharma said that understanding emerging technologies had become increasingly important in the contemporary academic environment. He highlighted the potential of AI-based tools to support research and academic development while helping students prepare for changing requirements in the professional world. The workshop was convened by Dr. Ruchi Sharma and Dr. Arvuda Mehta and featured an expert session by Dr. Ajay Kumar Chauhan, Founder and Chief Consultant of Research Shiksha.

He discussed the changing landscape of Artificial Intelligence and its expanding applications in education, research, data analysis and digital content creation.

Participants were introduced to several AI-powered platforms, including Google Flow, Suno AI, Wondershare, NBN, Evidanco, Storm Gene and Julius. The session focused on practical applications of these tools rather than limiting the discussion to their features. A key component of the workshop was a live demonstration that allowed participants to observe AI tools being used for creative and digital tasks. Dr. Chauhan demonstrated promotional videos created with AI, showing how an initial idea can be developed into digital content using emerging technologies.

एआई टूल्स से रिसर्च को मिलेगी नई रफ्तार, वर्कशॉप में विद्यार्थियों ने सीखे इस्तेमाल के तरीके

चंडीगढ़, स्टेट समाचार

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) अब सिर्फ तकनीकी क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि रिसर्च, डेटा एनालिसिस, कंटेंट क्रिएशन और शिक्षा के क्षेत्र में भी इसकी भूमिका तेजी से बढ़ रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के पीजी डिपार्टमेंट ऑफ इकोनॉमिक्स के प्लानिंग फोरम की ओर से 'एआई टूल्स फॉर रिसर्चर्स' विषय पर वर्कशॉप आयोजित की गई। वर्कशॉप में 180 से अधिक विद्यार्थियों, रिसर्च स्कॉलर्स और शिक्षकों ने हिस्सा लिया। वर्कशॉप का उद्देश्य प्रतिभागियों को रिसर्च और अकादमिक गतिविधियों में एआई के व्यावहारिक इस्तेमाल से परिचित कराना था।

कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि मौजूदा अकादमिक वातावरण में एआई की उपयोगिता लगातार बढ़ रही है। ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों और रिसर्च स्कॉलर्स को नई तकनीक समझने और उसे अपने अकादमिक कार्य में प्रभावी ढंग से इस्तेमाल करने का अवसर देते हैं। वर्कशॉप की कन्वीनर डॉ. रुचि शर्मा और डॉ. अरवुडा मेहता रहे। रिसोर्स पर्सन रिसर्च शिक्षा के फाउंडर एवं चीफ कंसल्टेंट डॉ. अजय कुमार चौहान ने एआई के स्वरूप, संभावनाओं और रिसर्च में इसके इस्तेमाल पर विस्तार से जानकारी दी।

उन्होंने विभिन्न एआई टूल्स की मदद से रिसर्च, डेटा एनालिसिस, एजुकेशन, क्रिएटिव वर्क और कंटेंट तैयार करने के तरीके बताए। प्रतिभागियों को गूगल फ्लो, सुनो एआई, वंडरशेयर, एनबीएन, एविडांको, स्टॉर्म जीन और जूलियस जैसे टूल्स से परिचित कराया गया।

वर्कशॉप का खास आकर्षण एआई टूल्स का लाइव डेमोंस्ट्रेशन रहा। डॉ. चौहान ने एआई की मदद से तैयार किए गए प्रमोशनल वीडियो दिखाकर समझाया कि किस तरह किसी आइडिया को डिजिटल कंटेंट में बदला जा सकता है। इससे विद्यार्थियों को एआई की रचनात्मक और व्यावहारिक क्षमताओं को करीब से समझने का अवसर मिला। अंत में एआई के बढ़ते दायरे और भविष्य में रिसर्च व प्रोफेशनल कार्यों में इसके संभावित इस्तेमाल पर चर्चा की गई।